एक्सप्रेसवे से एयरवे तक का यादगार सफर

मेरठ से प्रयागराज तक 628 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे व जेवर एयरपोर्ट का हुआ शिलान्यास

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे व कुशीनगर में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का लोकार्पण

सचिन मुदगल

किसी भी प्रदेश के विकास में परिवहन के बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर की सबसे बड़ी जरूरत होती है। यूपी कभी अपनी खस्ताहाल सड़कों के लिए पहचाना जाता था, लेकिन वर्ष 2021 को सड़क से लेकर हवाई यात्रा व परिवहन के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर की दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाने वाले वर्ष के रूप में याद किया जाएगा। लखनऊ से गाजीपुर तक पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर आवागमन शुरू हुआ तो मेरठ से प्रयागराज तक गंगा एक्सप्रेसवे का शिलान्यास किया गया। वहीं नहीं कुशीनगर में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का लोकार्पण और देश के सबसे बड़े नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर का शिलान्यास भी हुआ। इससे प्रदेश में जहां आवागमन व परिवहन सुविधाएं बढ़ेंगी, वहीं लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। वहीं, यह यूपी को एक खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में भी आगे बढ़ाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 18 दिसंबर को मेरठ से प्रयागराज तक बनने वाले गंगा एक्सप्रेसवे का शिलान्यास किया है। पीपीपी मोड में बनाए जा रहे करीब 628 किमी लंबा एक्सप्रेसवे देश का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे होगा। इससे मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ व प्रयागराज में कृषि, फूड प्रोसेसिंग, दूध और चीनी उद्योग को रफ्तार मिलेगी। अब तक औद्योगिक विकास की मुख्य धारा से दूर रहे हापुड़, अमरोहा, संभल, बदायूं, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली और प्रतापगढ़ जिलों में निवेश बढ़ेगा और नए उद्योग स्थापित होंगे। एक्सप्रेसवे बनने के बाद प्रयागराज से दिल्ली तक की दूरी महज आठ से नौ घंटे में तय हो सकेगी।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के रनवे पर एयरफोर्स का मालवाहक विमान हरक्युलिस। -फाइल फोटो

सिर्फ आठ घंटे में तय होगी दिल्ली से गाजीपुर की दूरी

लखनऊ के चांद सराय से गाजीपुर के हैदरिया तक बनाए गए 340.824 किमी लंबे पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से अब दिल्ली से गाजीपुर तक की दूरी महज आठ घंटे में तय हो सकती है। प्रदेश के पूर्वी इलाकों का लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे, आगरा-नोएडा यमुना एक्सप्रेसवे के जरिये दिल्ली तक सड़क मार्ग से सीधा संपर्क हो गया है। ऐसा माना जाता है कि एक्सप्रेसवे बनने के बाद सरकार की औद्योगिक नीति का फायदा उठाने के लिए बड़ी कंपनियां पूर्वांचल में निवेश करेंगी। एक्सप्रेसवे जुड़े जिलों में कृषि व अन्य उत्पादन इकाइयों और फूड प्रोसेसिंग से जुड़े उद्योग विकसित होंगे। इससे किसानों, व्यापारियों व उद्यमियों को सहूलियत होगी। वहीं, रामनगरी अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आसानी होगी।

340.824
किलोमीटर लंबा है पूर्वांचल एक्सप्रेसवे

किसानों, उद्यमियों और व्यापारियों को होगी सहूलियत

एयर कार्गो का हब बनेगा जेवर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट

देश का सबसे बड़ा और अत्याधुनिक एयरपोर्ट होगा

एयरपोर्ट से सितंबर 2024 से उड़ानें शुरू होने का है अनुमान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 26 नवंबर को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर का शिलान्यास किया है। यह देश का सबसे बड़ा और अत्याधुनिक एयरपोर्ट होगा। साथ ही एयर कार्गो का सबसे बड़ा हब बनेगा। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लगातार बढ़ रहे ट्रैफिक के कारण यहां से महज 72 किमी की दूरी पर होने के कारण जेवर एयरपोर्ट देसी-विदेशी पर्यटकों के लिए बड़ा विकल्प होगा। एयरपोर्ट से सितंबर 2024 से उड़ानें शुरू होने का अनुमान है। आगरा, बुलंदशहर, नोएडा, मथुरा, फिरोजाबाद, गाजियाबाद के लोगों को हवाई सेवा के लिए दिल्ली नहीं जाना पड़ेगा। इतना ही नहीं, जेवर एयरपोर्ट से आगरा, मथुरा व वृंदावन में पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी। वहीं, नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे के दोनों ओर औद्योगिक विकास भी होगा। फिल्म सिटी के निर्माण में भी तेजी आएगी।

प्रदेश में 2021 ने लिखा एयर कनेक्टिविटी का इतिहास

वर्ष 2021 ने प्रदेश में एयर कनेक्टिविटी की दृष्टि से नया इतिहास लिखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुशीनगर में 20 अक्तूबर को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का लोकार्पण किया। इससे दुनिया भर के बौद्ध धर्मावलंबियों को कुशीनगर पहुंचने में आसानी होगी। वाराणसी आने वाले बौद्ध पर्यटक सारनाथ के बाद कुशीनगर जाना चाहते हैं, लेकिन अभी तक विमान सेवा नहीं होने के कारण वे वहां नहीं जा पाते थे। अब पर्यटन उद्योग से जुड़े उद्यमियों ने भी कुशीनगर में निवेश की संभावना तलाशना शुरू कर दिया है।

लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल के प्लांट की रखी गई नींव

लखनऊ, कानपुर, चित्रकूट, झांसी, अलीगढ़ और आगरा में स्थापित होने वाले डिफेंस इंडस्ट्रियल मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर प्रदेश के साथ ही देश को रक्षा उत्पाद निर्माण में आत्मनिर्भर बनाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 11 दिसंबर को झांसी में भारत डायनामिक्स लि. यूनिट का शिलान्यास किया है। यहां पर विभिन्न प्रकार की मिसाइलों में काम आने वाले उपकरण और मिसाइलें बनाई जाएंगी। यहां पर अंतरराष्ट्रीय स्तर के हथियार भी बनाए जाएंगे। फैक्टरी में फरवरी 2023 से उत्पादन शुरू हो जाएगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 26 दिसंबर को लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण यूनिट का शिलान्यास किया है। लखनऊ में निर्मित होने वाली ब्रह्मोस मिसाइल न केवल भारत की सैन्य शक्ति को मजबूत करेगी, बल्कि दुनिया भर को यहां से मिसाइलें आपूर्ति की जाएंगी। इससे प्रदेश में रोजगार के अवसर सृजित होंगे और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। ऐसा माना जाता है कि छह नोड में काम शुरू होने पर करीब 50 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा और एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होगा।

वर्ष के अंतिम सप्ताह में शुरू हो गई कानपुर में मेट्रो ट्रेन

वर्ष 2021 ने जाते-जाते कानपुर को मेट्रो ट्रेन की सौगात भी दे दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 दिसंबर को कानपुर मेट्रो का लोकार्पण किया। कानपुर में 23.785 किलोमीटर लंबी मेट्रो रेल परियोजना में करीब 31 स्टेशन बनाए जाएंगे। 15 नवंबर 2019 को मेट्रो रेल परियोजना का शिलान्यास किया गया था। महज 25 महीने 13 दिन में कानपुर में मेट्रो ट्रेन का संचालन शुरू हो गया है। करीब 11 हजार करोड़ से अधिक की इस परियोजना से कानपुर को यातायात जाम की समस्या से काफी हद तक निजात मिलेगी।